छत्तीसगढ़ विधान सभा

पत्रक भाग - एक

संक्षिप्त कार्य विवरण

पंचम विधान सभा तृतीय सत्र अंक-02

रायपुर, गुरुवार, दिनांक 03 अक्टूबर, 2019

(आश्विन 11, शक संवत् 1941)

विधान सभा पूर्वाह्न 11.00 बजे समवेत हुई।

(अध्यक्ष महोदय (डॉ.चरणदास महंत) पीठासीन हुए।)

1. राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की 150 वीं जयंती समारोह के अवसर पर उनके व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर चर्चा का पुनर्ग्रहण

श्री अमरजीत भगत, सदस्य ने चर्चा प्रारंभ की ।

निम्नलिखित सदस्यों ने चर्चा में भाग लिया :-

डॉ. रमन सिंह, सदस्य, श्री रविन्द्र चौबे, कृषि मंत्री,

(सभापति महोदय (श्री धनेन्द्र साहू) पीठासीन हुए।)

सर्वश्री शिवरतन शर्मा, अरूण वोरा, देवेन्द्र यादव, कुलदीप सिंह जुनेजा, नारायण चंदेल, डॉ.(श्रीमती) लक्ष्मी ध्रुव,

(माननीय सभापति ने सदन की सहमति से सभा के समय में 02.30 बजे तक की वृद्धि की घोषणा की।)

श्रीमती रंजना डीपेन्द्र साहू, श्रीमती रश्मि आशिष सिंह, सर्वश्री बृहस्पत सिंह, पुन्नूलाल मोहले,

2. बहिर्गमन

श्री अमितेश शुक्ल, सदस्य ने चर्चा हेतु समय न दिये जाने के कारण सदन से बहिर्गमन किया ।

3. राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की 150 वीं जयंती समारोह के अवसर पर उनके व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर चर्चा (क्रमश:)

श्री धरमलाल कौशिक, नेता प्रतिपक्ष,

(अध्यक्ष महोदय (डॉ.चरणदास महंत) पीठासीन हुए।)

श्री बृजमोहन अग्रवाल,सदस्य के आग्रह पर श्री अमितेश शुक्ल, सदस्य, सभा में उपस्थित हुये ।

श्री भूपेश बघेल, मुख्यमंत्री, ने चर्चा का उत्तर देना प्रारम्भ किया।

4. बहिर्गमन

श्री धरमलाल कौशिक, नेता प्रतिपक्ष के नेतृत्व में भारतीय जनता पार्टी के सदस्यों द्वारा मुख्यमंत्री के उत्तर के विरोध में सदन से बहिर्गमन किया ।

5. राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की 150 वीं जयंती समारोह के अवसर पर उनके व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर चर्चा (क्रमश:)

श्री भूपेश बघेल, मुख्यमंत्री, ने चर्चा का उत्तर दिया।

6. संकल्प

"राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की 150 वीं जयंती पर एक कृतज्ञ राष्ट्र की तरह हम उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित करते हैं, छत्तीसगढ़ राज्य सरकार ने बापू के विचारों को आत्मसात करते हुए जनसेवा का रास्ता अपनाया है । यह सदन संकल्प लेता है कि हम महात्मा गांधी द्वारा प्रशस्त मार्ग पर चलेंगे और समाज में साम्प्रदायिक सद्भाव और समरसता बनाये रखेंगे और सभी सामाजिक बुराईयों से साथ मिलकर लड़ेंगे ।"

अध्यक्ष महोदय ने सदन को सूचित किया कि कल दिनांक 2 अक्टूबर, 2019 को माननीय मुख्यमंत्री जी द्वारा महात्मा गांधी जी के व्यक्तित्व पर अपने विचार रखे जाने के

पश्चात् संकल्प प्रस्तुत किया गया था, जो इस प्रकार है :-

"राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की 150 वीं जयंती पर एक कृतज्ञ राष्ट्र की तरह हम उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित करते हैं, छत्तीसगढ़ राज्य सरकार ने बापू के विचारों को आत्मसात करते हुए जनसेवा का रास्ता अपनाया है । यह सदन संकल्प लेता है कि हम महात्मा गांधी द्वारा प्रशस्त मार्ग पर चलेंगे और समाज में साम्प्रदायिक सद्भाव और समरसता बनाये रखेंगे और सभी सामाजिक बुराईयों से साथ मिलकर लड़ेंगे ।"

संकल्प स्वीकृत हुआ ।

7.सदन को सूचना

माननीय अध्यक्ष ने सदन को सूचित किया कि आज गुरूवार, दिनांक 03 अक्टूबर, 2019 को विधान सभा की बैठक स्थगित होने के पश्चात् विधान सभा परिसर स्थित डॉ. श्यामा प्रसाद मुकर्जी प्रेक्षागृह में निम्नांकित कार्यक्रम आयोजित है :-

1. पद्मश्री शमशाद बेगम एवं साथी कमाण्डोज की माननीय सदस्यों से भेंट।

2. अपराह्न 4.00 बजे श्री लक्ष्मी दास, पूर्व अध्यक्ष, खादी एवं ग्रामोद्योग आयोग तथा सदस्य, कार्यकारिणी समिति, गांधी स्मृति एवं दर्शन समिति, नई दिल्ली एवं डॉ. अपूर्वानंद, प्राध्यापक, दिल्ली विश्वविद्यालय का व्याख्यान।

3. सायं 06.00 बजे से सुप्रसिद्ध पंडवानी गायिका पद्म विभूषण डॉ.(श्रीमती) तीजन बाई द्वारा पंडवानी की प्रस्तुति ।

माननीय सदस्यों से अनुरोध है कि उक्त कार्यक्रम में एवं पश्चात् आयोजित रात्रि भोज में सम्मिलित होवें।

8.सत्र समापन

अध्यक्षीय उद्बोधन

छत्तीसगढ़ विधान सभा के इस ऐतिहासिक सत्र के समापन के अवसर पर मैं आप सभी सदस्यों को बहुत-बहुत धन्यवाद देता हूँ और सदन के नेताजी के प्रति, माननीय विपक्ष के नेता के प्रति, माननीय चौबे जी के प्रति, माननीय सदस्यों के प्रति बहुत-बहुत आभार व्यक्त करता हूँ, जो उन्होंने सहयोग प्रदान

किया, वह बहुत अभूतपूर्व रहा । मेरा दृढ़ विश्वास है कि छत्तीसगढ़ विधान सभा के गौरवशाली इतिहास को जब भी लिखा जायेगा या पढ़ा जायेगा तो इस आवेदन के बारे में निश्चित रूप से चर्चा होगी । आपने जिस ढंग से अपनी भावनायें व्यक्त की हैं, बापू के संस्कारों को, विचारों को, आपने यहां प्रतिपादित करने की कोशिश की है । उनके संस्कारों को यहां जागृत बनाये रखने की कोशिश हुई है, वह निश्चित रूप से एक ऐतिहासिक धरोहर बनेगा, ऐसा मैं मानता हूँ । इस अवसर पर माननीय राज्यपाल महोदया, ने उपस्थित होकर हम लोगों का उत्साह बढ़ाया, उन्हें मैं विशेष रूप से धन्यवाद देना चाहता हूँ । गांधी जयंती के अवसर पर माननीय भारती बंधु जी ने भजन गायन प्रस्तुत किया, माननीय भानुप्रताप सिंह जी ने टिकटों की प्रदर्शनी लगाई और नई दिल्ली के गांधी स्मृति संस्थान ने अपनी प्रदर्शनी के माध्यम से बापू जी के बचपन से लेकर अंतिम समय तक की चित्र प्रदर्शनी यहां प्रस्तुत की है । वह निश्चित रूप से बहुत ही सुंदर, अद्‌वितीय कहा जाना चाहिये। मैं उन सब के लिए उनका धन्यवाद देता हूँ। दिल्ली से पधारे टीकम सिंह जी ने जो यहां एकल नाट्य प्रस्तुति की, वह बहुत ही सराहनीय रही । मैं कहना चाहता हूँ कि मैंने अपने जीवन में इस प्रकार का पहला नाटक देखा, जिसने लगभग सभी दर्शकों के आंखों को नम कर दिया । आज अपूर्वानंद जी का, लक्ष्मीदास जी का और तीजन बाई जी की प्रस्तुति होनी है । मैं आप सबसे निवेदन करूंगा कि आप उसमें शामिल हों । वह भी इस आयोजन को गरिमा प्रदान करने के लिए रखा गया है ।

मैं राज्य शासन की ओर से जो 05 लोक कल्याणकारी योजनाएं यहां पर माननीय मुख्यमंत्री जी के द्‌वारा घोषित की गई हैं मैं ऐसा मानता हूं कि बापू जी की जनसेवा, उनके जन कल्याण की भावना को ध्यान में रखते हुए की गई है, मैं उसकी सराहना करना चाहता हूं, उनको धन्यवाद देना चाहता हूं । छत्तीसगढ़ सद्भावना और सद्‌विचार का हमेशा से केन्द्र रहा है, पावन भूमि है। यहां पूज्य कबीर जी की भावनाओं, आदर्श को हमेशा एक उँचाई में रखा गया है, देखा गया है। यहां पर बापू जी के साथ ही साथ बाबा गुरूघासीदास जी के सत्य, अहिंसा, प्रेम को सदैव से अपनाया जा रहा है और पंडित सुंदरलाल जी के जो विचार थे उन सबके प्रति बापू ने सार्वजनिक रूप से सम्मान प्रस्तुत किया उससे हम सब गौरवान्वित हुए । आज उनको याद करते हुए हम और भी ज्यादा गर्व का अनुभव कर रहे हैं।

महात्मा गांधी जी के विषय में जिन सदस्यों ने भाषण के माध्यम से अपनी जानकारी प्रस्तुत की है, उससे मैं भी लाभान्वित हुआ हूं, सदन भी लाभान्वित हुआ है और ऐसा लगा है कि हम एक दूसरे के बताये तथ्यों से, भाषणों से, ज्ञान से हम सबको लाभ मिला है। मैं चाहता हूं कि जो भावना आपने व्यक्त की है, वह आपके हृदय के उद्‌गार थे। उन भावनाओं को लेकर चलें, उन विचारों को लेकर चलें तो निश्चित रूप से आपकी जो भावना है आने वाले समय में हमें और मजबूती प्रदान करेगा, हम सबको महात्मा गांधी जी की स्मृतियों को जीवित रखने में उनके संस्कार, उनके आदर्श, उनकी भावनाओं को अपनी आने वाली पीढ़ी तक पहुंचाने में मदद करेगा इसलिए मैं चाहता हूं कि उन भावनाओं और विचारों को आप अपने व्यावहारिक रूप में प्रदर्शित करने का प्रयास करें। मेरी शुभकामनाएं रहेंगी।

मैं आप सबको इस बारे में अपना आशीर्वाद तो नहीं दे सकता, लेकिन मैं चाहता हूं कि आप गांधी जी के आदर्शों के साथ, संकल्पों के साथ जीयें और आपका जीवन सफल हो। बापूजी की हम लोगों ने जो यहां 150वीं जयंती मनाई, मैं स्वयं उससे बहुत लाभान्वित रहा हूं। ये वर्ष मेरे लिए बड़े लाभ का रहा है, महत्वपूर्ण रहा है कि जहां पर गांधी जी ने बैरिस्टर गांधी से महात्मा गांधी बनने का सफर तय किया, दक्षिण अफ्रीका वहां जाकर मैं बहुत ही लाभ प्राप्त कर सका, दर्शन कर सका और उनके विचारों को अंतरमन में अनुभव किया, जो मैं यहां व्यक्त नहीं कर सकता। मैं यह मानता हूं कि जो हमारे देश के गिरमिटिया थे उनके दर्द ने बापू गांधी को महात्मा गांधी बनाने के लिए एक हीरा बनाने के लिए बहुत काम किया है। इस तरह के दर्द आपको अपने प्रदेश में और देश में भी देखने को मिलेंगे। मैं चाहूंगा कि उन दर्दों से आप भी सीखें और अपने आपको महात्मा जी के रास्ते पर चलायें, ये मेरा आपसे अनुरोध होगा।

मुझे यह कहने के बावजूद भी थोड़ा दुख इस बात का हो रहा है कि दक्षिण अफ्रीका में भी महात्मा गांधी पर दो बार हत्या करने के प्रयास किए गए। खैर, वह तो हमारे भारत में नहीं है, हमारे हाथ में नहीं है मगर उनके कार्यों से जो वहां के लोगों ने असहमति व्यक्त की और वहां दो बार उनकी हत्या का प्रयास हुआ। यह एक अलग बात है, मगर भारत देश में ही उनकी हत्या के पहले पांच बार प्रयास हुए हैं। मैं इसे कल भी व्यक्त करना चाहता था मगर मैंने व्यक्त नहीं किया। चूंकि माननीय सदस्यों के किसी भाषण में ये बात नहीं आई है, मैं आपको थोड़ा यह जानकारी देना चाहता हूं कि गांधी जी की हत्या की पहली कोशिश सन् 1934 में हुई जब महात्मा गांधी जी के सम्मान में जब वह जा रहे थे तब बापू की हत्या के लिए उन पर बम फेंका गया। दूसरी कोशिश 22 जुलाई, 1944 को जब वह महादेव देसाई जी और अपनी मॉ को खोकर जब जेल से रिहा हुए थे तब एक युवक ने छुरा से उनकी हत्या करने की कोशिश की। बापू जी ने उन पर नाराजगी व्यक्त नहीं की, बल्कि कहा कि उसको माफ करो और मेरे पास लाओ। वे मुझे बतायें कि वे मुझे क्यों मारने की कोशिश कर रहे हैं ? तीसरी कोशिश 1944 में ही हुई, वही जिसका माननीय मुख्यमंत्री जी आप जिक्र कर रहे थे, तथाकथित मानवता विरोधी शक्तियां, इनने बापू को घेर लिया और फिर से चाकू से वार करने की, हत्या करने की कोशिश हुई जिसमें वे सफल नहीं हो पाये। चौथी बार 30 जून, 1946 में जब वे ट्रेन से जा रहे थे, उस ट्रेन को उड़ाने की कोशिश की गई और उस ट्रेन को उड़ाने की घटना के बाद, हालांकि बापू जी को ज्यादा नुकसान नहीं हुआ, बापू जी ने खुद कहा कि मुझे मारने की यह सातवीं कोशिश है, मगर मैं मरूंगा नहीं, मेरा जीवन कम से कम 150 साल का होगा। ऐसी उनकी मंशा थी कि वे 150 साल तक भारत की सेवा करते हैं। पांचवीं असफल कोशिश 1948 में हुई जब 20 जनवरी की शाम प्रार्थना सभा के समय, यह शायद बहुत साथियों को मालूम होगा, उन पर बम फेंका गया, बम फटा भी, मगर निशाना चूक गया था, इस तरह से बापू की हत्या 20 जनवरी 1948 को नहीं हो पायी। अंतत: 30 जनवरी की वह घड़ी आई जब हमने बापू को खो दिया। किन परिस्थितियों में खोया, यह आप सब आप जानते हैं, मैं उसका जिक्र यहां नहीं करना चाहता।

आज के इस अवसर पर मैं कहना चाहता हूं कि शांति की कोख से ही समृद्धि का जन्म होता है। जब तक हम अपने हृदय को शांत नहीं रखेंगे, अपने समाज को शांत रखने का प्रयास नहीं करेंगे, अपने आस-पास के वातावरण को प्रयास नहीं करेंगे कि शांत रहे, प्रदेश को शांत नहीं रख पायेंगे, देश को शांत रखने की कोशिश नहीं करेंगे, तब तक न तो हम समाज में शांति की स्थापना कर पायेंगे, न ही हम बापू के आदर्शों का अनुसरण कर पायेंगे। मैं आप सबको शुभकामनाएं देता हूं और मैं चाहता हूं कि इस दो दिवसीय कार्यवाही का, जो दो दिवस तक आप सब लोगों ने यहां अपने विचार रखें हैं, अभिव्यक्ति दी है, उनका प्रकाशन हो। राष्ट्रीय स्तर पर यह बात पहुंचे कि छत्तीसगढ़ के विधायक साथियों ने, छत्तीसगढ़ विधानसभा ने किस तरह से गांधी जी को अपनाया। किस तरह से उनकी भावनाएं हैं, वह देश स्तर पर पहुंचे ।

मैं एक निवेदन करना चाहता हूं, इसके पीछे मेरा यही उद्देश्य है कि आपकी भावना देश तक पहुंचे। आपकी भावनाओं से देश जाने, देश यह समझे कि छत्तीसगढ़ में इस प्रकार की भावनाएं माननीय हमारे परम पिता स्वरूप राष्ट्रपिता महात्मा गांधी के प्रति है। छत्तीसगढ़ विधानसभा के सभी साथियों को मैं धन्यवाद करते हुए, विशेष रूप से मैंने जो महसूस किया है कि यहां हमारे राज्य शासन के जो विभाग हैं, उनके प्रति जिस ढंग से एक सहयोगात्मक रवैया देखने को मिला, उसके लिये संसदीय कार्य विभाग के अधिकारियों का, जनसंपर्क विभाग के अधिकारियों, ग्रामोद्योग विभाग, संस्कृति विभाग और छत्तीसगढ़ शासन के विभिन्न विभागों का जो सहयोग रहा है, उसकी मैं यहां प्रशंसा करना चाहता हूं। गांधी जी की स्मृति में जो कार्यक्रम आयोजित किये गये, उसमें आप सबने जो सहयोग दिया, उसके लिए आप सबका धन्यवाद करना चाहता हूं।

मैं विधान सभा के सचिव श्री गंगराड़े जी और विधान सभा के अधिकारियों/कर्मचारियों को धन्यवाद अर्पित करते हुये मैं इस पांचवीं विधानसभा के विशेष सत्र के समापन के अवसर पर मैं आपको शुभकामनाएं देता हूं। आपके लिये मंगल कामना करता हूं।

आप गांधी जी के आदर्शों पर चल सकें, ईश्वर ऐसी शक्ति प्रदान करें और गांधी जी को नमन करते हुए, मैं बार-बार उनके प्रति सम्मान व्यक्त करता हूँ और जैसा कि नियम है आगामी शीतकालीन सत्र, आप सबके हिसाब से जो तय हुआ है 25 नवम्बर से 6 दिसम्बर तक रहेगा ।

हम सब इस पावन अवसर पर राष्ट्रपिता महात्मा गांधी के आदर्शों और सिद्धांतों से प्रेरणा ग्रहण करते हुए, एक बेहतर नागरिक बने और बेहतर नागरिक बनने का संकल्प लें और राज्य और राष्ट्र के निर्माण में अपनी सहभागिता सुनिश्चित करें। यही मैं आपसे निवेदन करना चाहता हूँ।

धन्यवाद् ।

9. राष्ट्रगान

(राष्ट्रगान 'जन-गण-मन' की धुन बजाई गई)

अपराह्न 3.13 बजे विधान सभा की कार्यवाही अनिश्चितकाल के लिए स्थगित की गई।

चन्द्र शेखर गंगराड़े
सचिव
छत्तीसगढ़ विधान सभा